शिव नामावलि अष्टकम्

Shiva Naamavali Ashtakam

शिवनामावलिअष्टकम् ।

हे चन्द्रचूड मदनान्तक शूलपाणे स्थाणो गिरीश गिरिजेश महेश शंभो ।
भूतेश भीतभयसूदन मामनाथं संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥१॥

हे पार्वतीहृदयवल्लभ चन्द्रमौले भूताधिप प्रमथनाथ गिरीशजाप ।
हे वामदेव भव रुद्र पिनाकपाणे संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥२॥

हे नीलकण्ठ वृषभध्वज पञ्चवक्त्र लोकेश शेषवलय प्रमथेश शर्व ।
हे धूर्जटे पशुपते गिरिजापते मां संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥३॥

हे विश्वनाथ शिव शङ्कर देवदेव गङ्गाधर प्रमथनायक नन्दिकेश ।
बाणेश्वरान्धकरिपो हर लोकनाथ संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥४॥

वाराणसीपुरपते मणिकर्णिकेश वीरेश दक्षमखकाल विभो गणेश ।
सर्वज्ञ सर्वहृदयैकनिवास नाथ संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥५॥

श्रीमन्महेश्वर कृपामय हे दयाळो हे व्योमकेश शितिकण्ठ गणाधिनाथ ।
भस्माङ्गराग नृकपालकलापमाल संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥६॥

कैलासशैलविनिवास वृषाकपे हे मृत्युंजय त्रिनयन त्रिजगन्निवास ।
नारायणप्रिय मदापह शक्तिनाथ संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥७॥

विश्वेश विश्वभवनाशितविश्वरूप विश्वात्मक त्रिभुवनैकगुणाभिवेश ।
हे विश्वबन्धु करुणामय दीनबन्धो संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥८॥

गौरीविलासभुवनाय महेश्वराय पञ्चाननाय शरणागतरक्षकाय ।

इति श्रीमच्छङ्कराचार्यविरचितं शिवनामावल्यष्टकं संपूर्णम् ॥

www.shaivam.org